Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 6 | ISSUE : 8 | AUGUST 2020

बिहार शरीफ नगर निगम की समस्या एवं निदान

डॉ॰ आलोक कुमार [1]

[1] PHD. M.U. **प्राध्यापक, महेश सिंह यादव इंटर कॉलेज (गया)**

ABSTRACT:

कोई भी गाँव, नगर, शहर राजधानी या देश कई तरह की समस्याओं से घिरा रहता है। जिसमें प्रमुख है। कुड़ा–कचरा का निपटारा प्रतिदिन घरो प्रतिष्ठानों मंडियो कार्यालयों से कुड़ा–कचरा निकालते है, इसका मुख्य कारण है बढ़ती जनसंख्या, बढ़ती जनसंख्या के रोज–मर्रा की पूर्ति के लिए नगरों में कच्चा माल आयात एवं निर्यात किया जाता है जिसके कारण आये दिन तरह–तरह की नई–नई समस्यायें उत्पन्न होती रहती है। बिहार राज्य के प्रमुख जिला नालंदा है जिसका मुख्यालय बिहारशरीफ है। बिहारशरीफ नगर निगम में भी आये दिन तरह–तरह की समस्यायें उत्पन्न होती रहती है जिसमें कुड़ा–कचरा, यातायात, बढ़ती जनसंख्या, जल–जमाव की समस्या, पर्यावरण की समस्या, स्वास्थ्य की समस्या, बिजली की समस्या, शिक्षा की समस्या, आवास की समस्या, प्रशासनिक समस्या आदि।

KEYWORDS:

बिहार शरीफ नगर निगम की समस्या एवं निदान

परिचय :–

आज के दौर में जहाँ लोगों के पास समय नहीं है वही लोगों के आगे और पिछे जो समस्या प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में पैदा हो रहा है, उसे लोग नजर अंदाज कर रहे है, जहाँ लोग अपने आप को सशक्त बनाने में जुड़े है वहाँ विश्व स्तर पर ज्वलंत समस्या उत्पन्न हो रहा है जिसका सही समाधान स्थानीय स्तर पर ही संभव है। शहरों में पर्यावरण संरक्षण और विकास के लिए पोषणीय विकास की नीति, सर्वोत्तम नीति है, पोषणीय विकास या सतत् विकास का संबंध पर्यावरण से मित्रतापूर्ण व्यवहार के साथ दीर्घकालिक विकास से है। विश्वभर में नगरों में पर्यावरण ह्रास सबसे अधिक हुआ है। रोजगार सेवाएँ, शिक्षा सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवाएँ आवश्यक उपभोक्ता वस्तु आपूर्ति सेवाएँ एवं अन्य सेवाओं अपनी घनी जनसंख्या एवं अमलैंड के लोगों को अबाध्य व अनवरत रूप से प्रदान करने के कारण यहाँ चौबीसों घंटे चमक–दमक रहती है। ऐसे में नगरों के लिए स्वस्छ और स्वास्थ्यप्रद वातावरण उपलब्ध करना बड़ा ही कठिन कार्य हो जाता है। इस तरह की परिस्थिति में जो कार्य सबसे महत्वपूर्ण होता है। वह है साफ–सफाई प्लानिंग रूप से शहरों को विकसित करना, जनसंख्या पर नियंत्रण, शिक्षा की ओर ठोस कदम उठाना, स्वास्थ्य सेवाएँ दुरुस्त करना, शुद्ध पेय जल की आपूर्ति आदि।

बिहार शरीफ भी अन्य नगरों की भाति ही है। बिहार में पटना, गया, भागलपुर आदि नगरों की अपेक्षा बिहारशरीफ का आकार व जनसंख्या कम है। इसे नगर निगम का दर्जा प्राप्त है एवं सौ स्मार्ट शहरों में बिहार शरीफ का भी नाम है। परन्तु नागरिकों की जागरूकता का आभाव संसाधनों की कमी तकनीकी अभाव कर्मचारियों में कार्य कुशलता का अभाव जो समस्या को ठोस एवं गंभीर बनाते है। बिहारशरीफ समस्याओं और चुनौतियों का अध्ययन और उचित समाधान के उद्धेश्य लेकर अध्यन को आगे बढ़ाया जा रहा है।

अध्ययन का उद्धेश्य

इस अध्ययन का निम्नलिखित उद्धेश्य है, जनसंख्या का बढ़ना, बिहारशरीफ शहर को परिचित होना यातायात की समस्या, जल जमाव की समस्या, पर्यावरण की समस्या, स्वास्थ्य की समस्या, बिजली की समस्या, शिक्षा की समस्या, आवास की समस्या, प्रशासनिक समस्या, इन सभी समस्याओं का ठोस समाधन ढूंढ़ना बिहारशरीफ नगर निगम की बड़ी चुनौती होगी। जिससे लोगों को परिचित होना आवश्यक है।

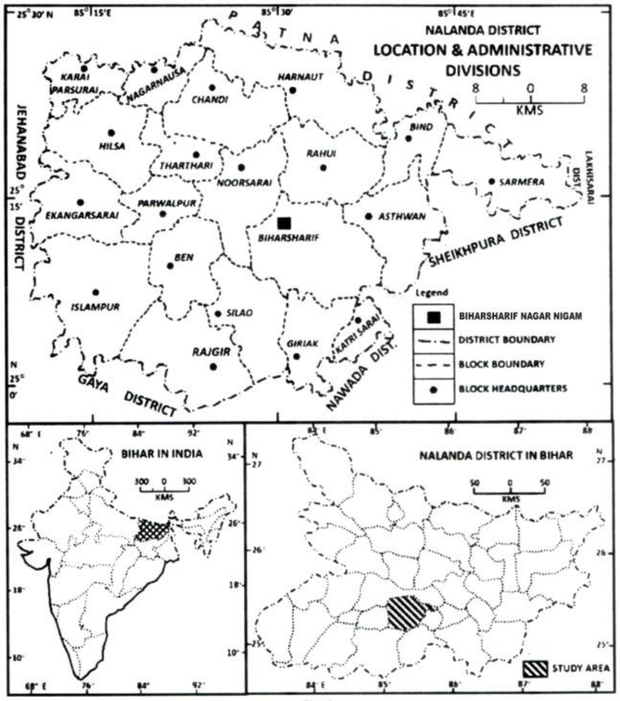

Fig. 1

अध्ययन की विधियाँ

शोध अध्ययन में बिहारशरीफ नगर निगम की वर्तमान समस्या, बढ़ती जनसंख्या, यातायात, जल जमाव, पर्यावरण, स्वास्थ्य, बिजली आपूर्ति, शिक्षा आवास की कमी, प्रशासनिक समस्याइन सभी समस्याओं के अध्ययन के लिए प्राथमिक आंकडो के साथ–साथ अधिकतर द्वितीय आंकडो का प्रयोग किया गया है। क्षेत्र भ्रमण एवं सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए संबंधित विवरण प्रस्तुत किया गया है। नगर निगम कार्यालय से अध्ययन आंकड़े के लिए जो भी फोटोग्राफ प्रस्तुत किए गए है, वे लोकेशन टैगयुक्त है। इससे अध्ययन को अधिक प्रमाणिक बनाया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में बिहारशरीफ नगर के नगरीय उपशिष्टा के निपटाने से संबंधित समस्याओं और चुनौतियों को देखते हुए नवीनतम आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बना दिया गया है। इस शोध में विभिन्न प्रमाणित पुस्तकों शोध ग्रंथो, समाचार पत्रो आदि से प्रमाणिकता ग्रहण करते हुए प्रस्तुतीकरण को

सरल–सरस उपयोगी और वैज्ञानिक बनाया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

उपस्थित शोध पत्र का अध्ययन क्षेत्र बिहारशरीफ नगर निगम है। यह बिहार की राजधानी पटना से सटे दक्षिण में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 23.5 किलोमीटर है, जिसकी समुद्र तल से औसत उँचाई 180 फीट है।इस नगर की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 300000 तीन लाख है जो 2020 में 373000 लगभग होने की संभावना है। 2001 से 2011 के दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 2.19% है। साक्षरता दर 75.30 है। यह नगर निगम है। जिसमें वार्डो की संख्या 46 है, जो मानचित्र में दिखाया गया है। बिहारशरीफ नालंदा जिला का मुख्यालय है, जो दक्षिण बिहार के मैदान में स्थित है। यह प्राचीन मगध काल में उदन्तपुरी के नाम से स्थित था। साथ ही इसी जिला में नालंदा विश्वविद्यालय लगभग 15 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। बिहारशरीफ बिहार राज्य का महत्वपूर्ण व्यापार केन्द्र है। यह $25^{\circ}12'$ उत्तरी अक्षांश एवं $85^{\circ}30'$ पूर्वी देशांतर पर स्थित है।

1. जनसंख्या का बढ़ना :– किसी भी देश शहर की बढ़ती जनसंख्या सबसे बड़ी समस्या होती है क्योंकि लोगों का माँग की पूर्ति करना भी आवश्यक होता है। उसी प्रकार बिहारशरीफ की बढ़ती जनसंख्या भी एक समस्या बन रही है। क्योंकि लोग रोजगार की तलाश, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य जरूरतों के लिए भी बिहारशरीफ शहर में आकर बस रहे है। जहाँ 2001 में बिहारशरीफ की जनसंख्या 234000 हजार थी वह 2011 में 300000 हो गयी। 2020 आते वही बिहारशरीफ नगर निगम की जनसंख्या 373000 लगभग होने की संभावना है। वही देखा जा रहा है कि 2001 से 2020 के बीच बीस बर्षो में करीब डेढ़ गुणा जनसंख्या बढ़ा है।

2. यातायात की समस्या :– बिहारशरीफ बहुत ही छोटा शहर था जिसे लोगों की जरूरतों के अनुसार नगर निगम में बदला गया। बिहारशरीफ की गलियाँ सड़के आदि बहुत की सकरी एवं छोटी है, जिससे लोगों को एक स्थान से दुसरे स्थान जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। लोगों में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। लोगों के जल्दबाजी के चक्कर में चौक एवं चौराहों पर घंटो जाम लगा रहता है। जिससे आम लोगों, दुकानदारों को काफी समस्या उत्पन्न होती है। छोटा शहर होने के कारण हर जगह से टेक्पो–ऑटो की सुविधा भी नहीं उपलब्ध है, जिससे लोगों को शुलभता से यातायात करने में सुविधा हो।

3. पर्यावरण की समस्या :– पर्यावरण एक बहुत ही विश्वस्तरीय समस्या है। बिहारशरीफ में पर्यावरण भी ठीक नहीं है। बढ़ती जनसंख्या लोगों का मांगों की पूर्ति के करना आवश्यक है। शहरों में पेड़–पौधे लगाये तो बहुत जाते है लेकिन ज्यादातर उसे काट दिया जाता है क्योंकि लोग अपनी जरूरते पुरा करने में पर्यावरण का ध्यान नहीं रखते है। बिहारशरीफ का नगर निगम इतना चुस्त एवं दुरुस्त नहीं है कि पर्यावरण का ख्याल रख सके। जहाँ तक हम जानते है कि जहाँ भी जनसंख्या बढ़ेगी, प्राकृति का दोहन होगा, कुड़ा–कचरा जगह–जगह विखरेगा, उसी तरह बिहार में भी जहाँ–तहाँ कुड़ा–कचरा, प्लास्टिक, पॉलिथीन आदि जगह–जगह चौक एवं चौराहों पर बिखरे रहते है एवं धुआँ देती गाड़ियाँ आदि शहर के पर्यावरण को नुकसान ही नहीं उसे एक तरह से समाप्ती की ओर लेकर चली गयी है। पर्यावरण को बचाने के लिए सरकार को ही नहीं वरण आम लोगों को भी पुरी तरह से जागरूक होना पड़ेगा।

4. स्वास्थ्य की समस्या :– बिहारशरीफ शहर की स्वास्थ्य समस्या भी एक बड़ी समस्या है जैसे उच्च रक्तचाप, स्थमा, ह्रदयरोग, आँख का रोग, माँसपेशियों में खिंचाव, गठिया, पेट रोग आदि समस्या भी शहर के लोगों का आम रोग बनता जा रहा है, जहाँ लोग अवैध आवास बना रहे है पेड़ो को बेहिचक काट रहे है। पर्यावरण के बारे में किसी भी व्यक्ति को ख्याल नहीं है। शुद्ध हवा की जगह लोग धुँआ, धुल सॉसो के सहारे ले रहे है। बढ़ती जनसंख्या को खाना पुरा करने के लिए लोग ज्यादा उपज के लिए रसायनिक खादों का प्रयोग करके उपज को बढ़ा रहे है, जिससे लोगों का अदृश्य रूप से स्वास्थ्य को हानी पहुँचा रहे है। लोगों को जहाँ अच्छी चिकित्सा के लिए सरकारी तौर पर डॉक्टर होनी चाहिए वह भी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं है। एवं प्राइवेट डॉक्टर भी अच्छे नहीं है, जहाँ अच्छे डॉक्टर है वहाँ लोगों को काफी मोटी रकम स्वास्थ्य के प्रति खर्च करना पड़ता है।

5. बिजली की समस्या :– बिहारशरीफ में बिजली की समस्या भी एक आम समस्या है। बिजली की अवैध चोरी लोग अवैध रूप से बस रहे है एवं बढ़ती जनसंख्या के लिए बिजली की आवश्यकता ज्यादा है लेकिन सरकार जितने भी मीटर धारक है उतनी ही बिजली सप्लाई करती है जिससे लोगों को बिजली पुरी तरह से नहीं मिल पाती है। जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, सरकारी कार्य आदि कामकाज पर प्रभाव पड़ता है।

6. शिक्षा की समस्या :– शिक्षा जहाँ देश की रीढ़ होती है, वहाँ बिहारशरीफ में शिक्षा काफी मंहगी एवं बेकार हो गयी है। लोग अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए आसपास के गाँव से भी बिहारशरीफ शहर के स्कूलों में भेजते है, जिससे स्कूलों में काफी भीड़ हो गयी है और इसके चलते शिक्षा (प्राइवेट स्कूल) काफी मंहगी हो गयी है। लोग शहरों में बच्चों को इसलिए पढ़ने को भेजते है की बेहतर शिक्षा मिल सके लेकिन ज्यादा बच्चों की संख्या होने से एक कक्षा में ज्यादा बच्चें होते है और अच्छी पढ़ाई का मौका नहीं मिलता और सरकारी स्कूलों को लोगों में पढ़ाई पुरी तरह से न के बराबर होता है। बिहारशरीफ में अच्च शिक्षा देने के लिए भी स्कूल तो सरकारी तौर पर है लेकिन स्कूलों में टीचर की कमी सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजो से बच्चों में निराशा झलकती है। सरकारी स्कूल कॉलेजों में कभी हड़ताल तो कभी चुनाव तरह–तरह की समस्याओं से भी स्कूल एवं कॉलेज बंद रहते है।

7. आवास की समस्या :– बिहारशरीफ नगर निगम में आवास की समस्या कोई बड़ी बात नहीं रह गयी है। लोगों को शहरों में रहने का होड़ जमीन को मंहगा बना दिया है। हर लोग चाह रहा है कि हमारा एक घर शहर में भी हो जिसके कारण निचे तब्के के लोगों को जमीन मिलना काफी मुश्किल हो गया है। इसलिए वे किराये के मकान पर अपना जीवन गुजार रहे है एवं रोज मांगकर खाने वाले रिक्शा चालक एवं अन्य लोग चौक चौराहो, मंडियो एवं फुटपातों पर अपना रात बिताने को मजबुर है।

8. जल जमाव की समस्या :– बिहारशरीफ में जल जमाव एक आम समस्या है। बिना वर्षा के ही जल निकासी में समस्या हो रही है क्योंकि नाला पुरी तरह से साफ सफाई नहीं हो पाती है एवं नाला में लोगों के द्वारा पॉलोथिन में कुड़ा करकट भरकर डाल देते है जिससे नाला हमेशा जाम रहता है अगर थोड़ा वर्षा हो गयी तो रोड ही नाला बन जाता है। बिहार पुरी तरह से पंचाने नदी के किनारो पर बसा हुआ है और बिहारशरीफ में पंचाने नदी अब छोटा नाला के रूप में बच गया है जिससे पानी नहीं निकल पाता है।

9. कुड़ा कचरा की समस्या :– बिहारशरीफ को नगर निगम बनने के बाद लोगों को लगा की कुड़ा कचड़ा की समस्या दुर होगी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। बिहारशरीफ में नगर निगम में बुडको द्वारा घर–घर जाकर कुड़ा कचरा का निवारण करना था और सरकार उसे वजन के हिसाब से पैसा मुहैया कराती थी लेकिन बुडको कंपनी ने कुड़ा कचरा के जगह पर ईंट–पत्थर भी कचरा में वजन करने लगा जिससे साफ–सफाई में दिक्कत होने लगी एवं जहाँ तहाँ लोगों के द्वारा कुड़ा कचरा फेंका जाने लगा।

10. प्रशासनिक समस्या :– प्रशासनिक समस्या की बिहारशरीफ की बड़ी समस्या है। शहरों में आये दिन क्राईम होता रहता है जिससे लोगों में दहसत की समस्या बनी रहती है। बिहारशरीफ 46 वार्ड है जिसमें कई वाडों में दबंगों का बोल बाला है जिससे प्रशासन को भी निपटने में काफी समस्या होती है। प्रशासन विभाग में ऑफिसरों द्वारा घुस लेन–देन भी करते है जिससे आये दिन गलत करने वालों का मनोबल बढ़ता है।

11. शुद्ध पेय जल की समस्या :– किसी शहर को शुद्ध पे जल उपलब्ध करना भी बड़ी चुनौती होती है उनमें बिहारशरीफ भी एक शहर है। बिहारशरीफ में सरकारी तौर पर बोरवेल नलकुप लगाये जाते है जिससे भी लोगों को पानी पीने को मिलता है लेकिन जहाँ–तहाँ का पाईप फट जाता है और पानी बाहर आने लगता है और सप्लाई बंद होने पर नाले एवं रोड पर बह रहे

पानी खीच लेता है जिससे फिर से लोगों के पास गंदा पानी चला जाता है और लोग पानी पीने पर मजबुर रहते है। कुछ शहर के व्यापारिक एवं नौकरी पेशा वाले लोग प्रशनल बोरवेल अपने घर में लगाये हुये है जिससे पानी पीने को मिलता है बोरबेल लगाना काफी मंहगा होता एवं कुछ लोग पानी (R.O.) का पानी भी बेचते है, जो काफी मात्रा में दुकान एवं बड़े पैसे वाले लोग पानी खरीदते है एवं पानी का इस्तेमाल पीने में करते है लेकिन R.O. का पानी काफी मंहगा होता है। नगर निगम भी टैकरों से पानी का सप्लाई करता है और सप्लाई के लिए पैसे वसुल किये जाते है जिसे ज्यादा तर गरीब गुरबा लोग खरीदते है। बिहारशरीफ नगर निगम में शुद्ध पेयजल की समस्या काफी सालों से चला आ रहा है।

12. प्रदुषण की समस्या :– बिहारशरीफ शहर में प्रदुषण बहुत काफी है। यहाँ धुआँ देती गाड़ियाँ बिहारशरीफ में छोटे छोटे फैक्ट्री (बिस्कुट आदि) बिहार शहर के अन्दर तीन बस स्टैण्ड है जहाँ से धुआँ धुल आदि उड़ना आम बात है एवं बिहारशरीफ के चारो तरफ अवैध रूप से कच्चा कोयला जलाया जाता है। ईंट भट्ठे, अवैध बालु खनन, कुड़ा कचरा, मंडियों में नियमित साफ सफाई नहीं होना, चौक–चौराहो पर दुकानदारों एवं घर वालों द्वारा जहाँ–तहाँ कुड़ा कचरा फेंक देते है जिससे प्रदुषण की समस्या उत्पन्न रहती है। शादी विवाह में खाना–पीना के चलते भी प्रदुषण होता है, लोग जहाँ–तहाँ पत्तल एवं बचा खाना कुड़ा कचरा फेंक देते है, शादी विवाह में खान–पान बड़े पैमाने पर होता है, जिसके चलते भी प्रदुषण होता है क्योंकि डिजे, लाउडस्पीकर आदि बजाये जाते है, गाड़ियों के चलते भी ध्वनि प्रदुषण होता है।

प्रदुषण की समस्या :– बिहारशरीफ शहर में प्रदुषण बहुत काफी है। जो आम लोग और खास लोगों के लिए भी बहुत बड़ी समस्या बन गया है, जो निम्नलिखित है :–

(a) **वायु प्रदुषण** :– वायु प्रदुषण कई प्रकार से होता है, जिसमें मोटर गाड़ियाँ, कच्च धुआँ देती खेतो में खरपतवार चलाने से, शादी विवाह में पटाका छोड़ना, अवैध फैक्ट्री, होट्ल, आसपास के इलाकों में चिमनी भट्टा चलाना आसपास के कच्चा कोयला जलाना, आदि कारण से वायु प्रदुषण हो रहा है।

(b) **ध्वनी प्रदुषण** :– गाड़ियों का चलाना, पुजा पाठ, शादी विवाह में डी.जे. लाउडस्पीकर आदि बजाना, हवाई जहाज, रेलगाड़ियाँ आदि कारणों से ध्वनी प्रदुषण होता है।

(c) **मिट्टी प्रदुषण** :– मिट्टी प्रदुषण, कुड़ा कचरा, गाड़ियों से निकले खराब मोबिल, ग्रीस आदि जहाँ–तहाँ फेंक देने से, शादी विवाह में बचे खाना आदि भी फेकने से एवं एवं खेत में रसायनिक आदि के प्रयोग से मिट्टी प्रदुषण होता है।

(d) **जल प्रदुषण** :– जल प्रदुषण के कई कारण है जैसे पूजा पाठ, बने मूर्ति में उपयोग रंग से जो पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन होता है, क्योंकि रंगों में कई प्रकार के रसायन मिले होते है एवं अवैध नालों का बहना, पॉलिथिन, कुड़ा कचरा, कुआँ, तालाब, नदी आदि जगहों पर फेंक देने से प्रदुषण बहुत ज्यादा उत्पन्न होता है।

बिहारशरीफ नगर निगम की समस्या का समाधान

1. जनसंख्या बढ़ने पर रोग लगाना :– किसी भी देश शहर की बढ़ी जनसंख्या सबसे बड़ी समस्या तो होता है परन्तु इसको बढ़ने से रोका भी जा सकता है, भारत सरकार द्वारा हम दो हमारे दो कार्य क्रम के अंतर्गत लोगों किसी तरह के सरकारी योजना से लाभ उठाने के लिए इस योजना लागु हर व्यक्ति पर हो इसके लिए भी भारत सरकार को कड़ी एवं ठोस कदम उठाना चाहिए। बिहारशरीफ के आसपास के गाँवो एवं प्रखण्डो से लोग आकर लोग अवैध रूप से जैसे तैसे घर बनाकर रह रहे है क्योकि लोगों को अपने बच्चों की शिक्षा परिवार के स्वास्थ्य, रोजगार का लाभ गाँवों में पुरी तरह से नही मिल पाती है जिससे लोग शहर की ओर पलायन कर जाते है। अगर सरकार गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि को गाँवों प्रखण्डों में दुरुस्त कर दे तो शहरों की जनसंख्या को बढ़ने से रोका जा सकता है।

2. यातायात की समस्या पर रोक लगाना :– यातायात हमारे रोज की दिनचर्या का हिस्सा है, लोगों को पढ़ाई, स्वास्थ्य, रोजगार एवं अन्य कामों के लिए एक स्थान से दुसरे स्थान पर जाना पड़ता है जिसके लिए आम व्यक्ति खास व्यक्ति सभी लोगों को वाहनो का उपयोग करना पड़ता है। सरकारी कार्यो में संलग्न लोग प्राइवेट वाहन का ज्यादातर इस्तेमाल करते है जिससे रोड पर काफी भीड़ बढ़ जाती है। शहर वासी रोज अपने खाने पीने के चिजों का खरदारी करने के लिए प्राइवेट वाहन का प्रयोग करते है। छोटे–छोटे दुकानदार चौक चौराहों एवं रोड पर ठेला आदि लगा देते है, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। नगर निगम को सरकारी बसे कम दर चलाना चाहिए, छोटे दुकानदारों को दुकानो किसी खास जगह पर लगवाना चाहिए। सड़कों को चौड़ीकरण करना चाहिए, गलियों के नगर निगम के कानून के तहत चौड़ी करनी चाहिए एवं भविष्य का ख्याल रहते हुए, सरकारी एवं नये योजनाओं को लागु करना चाहिए जिससे आने वाले भविष्य में लोगों को यातायात से जुझना नहीं पड़े।

3. पर्यावरण की समस्या का समाधान :– पर्यावरण की समस्या एक बहुत बड़ी समस्या है। बिहारशरीफ की समस्या ठीक हो और ठीक रहे इसके लिए भारत सरकार द्वारा रिसर्चर के द्वारा NGO के द्वारा बहुत सारे गाईडलाईन नगर निगम में उपलब्ध है, जिसका लोगों को कड़ाई से पालन करना चाहिए। हमलोग अच्छी तरह जानते है एवं सरकार भी अच्छी तरह जानती है कि शहरों का विस्तारीकरण रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है क्योंकि जनसंख्या काफी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन पर्यावरण का ख्याल आमलोग को भी पुरी तरह से रखना चाहिए। रोड के किनारे पेड़, काटने पर रोक लगाना, घर बनने के पहले नगर निगम से पुरी तरह पर्यावरण का ख्याल रखने के लिए घर आगे जगह छोड़ कर घर बनाये जिससे पेड़ पौधे लगाया जा सके। शहर के अन्दर, तालाब, नाले गली, रोड साफ सुथरा स्वच्छ रखना अनिवार्य हो, रोड पर अवैध रूप से आवारा पशुओं को घुमने पर रोक लगाया जाए, तभी पर्यावरण की समस्या से बिहारशरीफ शहर की निजात मिल सकता है।

4. स्वास्थ्य की समस्या का समाधान :– बिहारशरीफ नगर निगम में स्वास्थ्य की समस्या दिनप्रति दिन बढ़ता जा रहा है क्योंकि गंदे वातावरण कुड़ा कचरा, धुआँ, धुल, छोटे मकान असिमित रुप से बन रहे है, उस मकान में न तो धुप, न हवा ढ़ंग से पहुँचती है जिससे स्वास्थ्य व्यक्ति भी अस्वस्थ होता जा रहा है। लोगों को चाहिए की मकान में धुप स्वच्छ हवा आदि ढ़ंग से मिले जिसके लिए मकान बनाने से पहले ही आसपास थोड़ा ज्यादा स्थान छोड़कर मकान बनाना चाहिए, रोड पर कुड़ा कचरा नहीं फेंका जाना चाहिए, शुद्ध पानी सप्लाई होना चाहिए, अपना बोरबेल होना चाहिए, निगम के तरफ से भी शुद्ध जल, डॉक्टर, कुड़ा कचरा, नाले के सफाई, अवैध मकानो का बनाने पर रोक लगना चाहिए, बस स्टैण्ड को शहर से बाहर करना चाहिए, डीजल, पेट्रोल की गाड़ी के जगह बैट्री के गाड़ियों को बाजार में उतारना चाहिए आदि चिजों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्राइवेट चिकित्सक भी काफी मंहगा इलाज करते है जिसपर सरकार का लगाम लगाना अति आवश्यक है।

5. बिजली की समस्या का समाधान :– बिजली की समस्या का समाधान बिहारशरीफ नगर निगम में होना अति आवश्यक है क्योकि बिजली के बिना हॉस्पीटल, शिक्षालय, पेयजल आदि का संचार होना काफी मुश्किल होता है। बिजली के अवैध चौरी पर रोक (सौर उर्जा) ग्रीन हाउस बिजली का घर में प्रचलन कराना चाहिए जिससे लोगों सस्ती एवं उपयोगी बिजली का लाभ मिल सके। L.E.D. बल्ब को सस्ता एवं टिकाउ बनाना चाहिए। घरों को योजना से जोड़ना चाहिए एवं बिजली की नई तकनीक से भी जरो को जोड़ना चाहिए। बिजली के मामलों में सरकारी महकमा को भी चुस्त एवं दुरुस्त रखना चाहिए।

6. शिक्षा की समस्या का निदान :– आज शिक्षा एक समस्या ही नही मंहगी और निराशपूर्ण हो गयी है। शिक्षा को हर परिवार ग्रहण करना चाहता है लेकिन शिक्षा इतनी मंहगी है कि आम आदमी के वश की बात नहीं रह गयी है। बिहारशरीफ में शिक्षा का काफी पूर्व से ही प्रसार रहा है यहाँ छोटे बड़े, प्राइवेट स्कूल है जो बेतुका अपना माहवारी फीस रखे हुये है जिसपर सरकार को लगाम लगाना अति आवश्यक है। शिक्षा को निराश इसलिए बिहारशरीफ में कहा जाता है कि सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों

में ढ़ंग से पढ़ाई होना चाहिए एवं टेकनिकल डिग्री को भी सरकारी तौर पर बच्चो को दिया जाना चाहिए जिससे कुछ गरीब एवं मिडील क्लास के लोगों को भी शिक्षा ढ़ंग से ग्रहण करने का मौका मिल सके।

<u>7. आवास की समस्या का समाधन</u> :– आज हर व्यक्ति को अपना आशियाना होना चाहिए। इस जेद्दोजहद के चक्कर में लोग बिहारशरीफ के नगर निगम के नियमों को भूल जाते है। लोग जैसे तैसे अपना छोटा सा एक मकान खड़ा कर लेते है। बढ़ती जनसंख्या के कारण लोगो की जमीन खरीदना मुश्किल हो रहा है। सरकारी (नगर निगम) को चाहिए कि सरकारी तौर पर कॉपरेटिव जमीन खरीद कर लोगों की आवश्यकता के अनुसार जमीन एवं मकान उपलब्ध कराये जिससे मंहगे जमीन एवं दलालो से छुटकारा पाया जा सके और नियमित रूप से आवास का भी निर्माण हो सके।

<u>8. जल जमाव की समस्या का समाधान</u> :– जल जमाव भी एक बड़ी समस्या है। बिहारशरीफ शहर में जल जमाव को ठीक करने के लिए पंचाने नदी जो बिहारशरीफ के बीचो बीच एवं आसपास से बहती है।नदी का खुदायी एवं साफ–सफाई करना आवश्यक है एवं सिवरेज सिस्टम भी बिहारशरीफ के नगर निगम को पानी निकालने के लिए लगाना चाहिए एवं प्लास्टिक पर पुरी तरह से पाबन्दी होना चाहिए क्योंकि नालियो, नाला आदि को ज्यादातर प्लास्टिक ही जाम कर देती है।

<u>9. कुड़ा कचरा की समस्या का निदान</u> :– कुड़ा–कचरा किसी भी शहर को नरक बना देती है। बढ़ती आबादी लोग जरूरतों को पुरा करने के लिए तरह तरह के पैंकिंग बनाये जा रहे है जिसमें कुट, प्लास्टिक खास है। लोगों को रोज सब्जी लाने के लिए कपड़ो के झोला का इस्तेमाल करना चाहिए, घर से तीन चार तरह के कचरे निकालते है, जिसमें गीला कचरा, सुखा कचरा, प्लास्टिक कुट आदि को अलग–अलग ढ़ंग से निगम के रिक्शा पर एवं कुड़ेदान में डालना चाहिए। प्लास्टिक को रिसाईकलिंग करना चाहिए एवं सरकार को भी रिसाईकलिंग पावर प्लांट लगाना चाहिए जिससे कुड़ा के बन रहे ढ़ेर शहरों में प्लास्टिक का सड़क भी बनाया रहा है। इसको भी नगर निगम बिहारशरीफ को अपनाना चाहिए।

<u>10. प्रशासनिक समस्या का निदान</u> :– आये दिन बिहारशरीफ में बड़ी–बड़ी क्राईम होते रहते है। जिसमों प्रशासन द्वारा निपटाया जाता है लेकिन कभी–कभी प्रशासन ही गलती करती रहती है कि गलत व्यक्ति को छोड़कर आम व्यक्ति (निर्दोष) पर ही अपना डंडा चलाने लगती है। प्रशासन को हाइटेक नवीन एवं दुसरे शहरों से सिख लेकर प्रशासन के तौर तरीको को बदलना चाहिए।

<u>11. शुद्ध पेय जल की समस्या का निदान</u> :– मानव को न तो शुद्ध खाना न तो शुद्ध हवा मिल रहा है। कम से कम शुद्ध पानी तो मिले इसके लिए नगर निगम को कॉपरेटिव तौर पर मुहल्लों में छोटे–छोटे बोरवेल लगाकर घरो में शुद्ध पानी के लिए निगम अनुदान की राशि उपलब्ध कराये जिससे लोगों को गंदे एवं अशुद्ध पानी नही पीना पड़े। उपयोग किये गये पानी का रिसाईकलिंग किया जाय।

<u>12. प्रदुषण की समस्या का निदान</u> :– बिहारशरीफ नगर निगम में प्रदुषण की समस्या बड़ी तो है ही लेकिन लोग चाहे तो इसका निदान भी पुरी तरह से हो सकता है। क्योंकि हमलोग ही कुड़ा कचरा, धुआँ, फैक्ट्री गाड़ियाँ, नाले को गंदा, पानी को बेकार बहाना आदि बन्द कर दे तो लगभग 90 प्रतिशत समस्या अपने आप समाप्त हो जायेगा लेकिन हमलोग अपने आदत से लाचार है एवं दुसरो पर हुकुम चलाते है, सरकारों पर अंगुली उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ते है जिससे समस्या घटने के बजाय बढ़ती जा रही है।

प्रदुषण की समस्या का निदान करने के कई तरिके है जो निम्न है :–

<u>(a) **वायु प्रदुषण**</u> :– मोटर गाड़ियाँ का नियमित जाँच हो, शादी विवाह में पटाखा छोड़ने पर रोक, अवैध फैक्ट्री, चिमनी भट्टा, कोयला जलाना आदि चिजो पर पूरी तरह से रोक लगाया जाय।

<u>(b) **ध्वनी प्रदुषण**</u> :– डीजल गाड़ियों की जगह बैट्री गाड़ी बाजार में उतारना चाहिए। शादी विवाह, पूजा पाठ में डी.जे. लाउडस्पीकर पर रोक लगाया जाए।

<u>(c) **मिट्टी प्रदुषण**</u> :– कुड़ा कचरा को रिसाईकलिंग की व्यवस्था, खराब मोविल को रिफाईन किया जाने की व्यवस्था, रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती आदि।

<u>(d) **जल प्रदुषण**</u> :– मूर्ति विजर्सन पर रोक, नदी नालों, तालाब आदि में कुड़ा कचरा फेकने पर पुरी तरह से पाबंदी एवं उपयोग किये गये पानी का रिसाईकलिंग आदि।

निष्कर्ष :–

अन्त में हम कह सकते है कि बिहारशरीफ नगर निगम की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन के अलावे लोगों को जागरूकता की आवश्यकता है। प्रशासन के कदम में कदम मिलाकर चलने की आवश्यकता है। लोगों को साफ–सफाई के प्रति जागरूकता की आवश्यक है। भारत सरकार ने बिहारशरीफ को स्मार्ट सिटी के रूप में चयन किया है, और इसके चतुर्दिक विकास के लिए बिहार सरकार कृत संकल्प है।

REFERENCES

1. अहमद, इनायत (1965) : बिहार ए फिजिकल, इकोनामिक एण्ड रिजनल ज्योग्राफी राँची यूनिभर्सिटी प्रेस राँची।
2. कृष्णन, एम.एस. (1956) ‘‘जियोलॉजी ऑफ इंडिया एण्ड वर्मा’’ हिग्गी बोथन, मद्रास
3. गांगुली, बी.एन.(1983) ‘ट्रेन्डस ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड पोपुलेशन इन गंगा मैली’’ लंदन।
4. चटर्जी, एस.पी. (1941) : ‘द प्लेस ऑफ ज्योग्राफी इन नेशनल प्लानिंग’’ कलकत्ता ज्योग्राफिकल रिभ्यू भॉल्युम XX

5. नाथ, भी. (1964) : ‘‘ग्रोथ इंडियन एग्रीकल्चर : ए रीजनल एनालाइसिस’’ द ज्योग्राफिकल रिभ्यू, भॉल्युम 1X नं03

6. बिहार सर्वे ऑफिस : डिस्ट्रिक्ट मैप ऑफ नालंदा।

7. राय चौधरी, पी.सी. (1962) : बिहार डिस्ट्रिक्ट गजेटियर, नालंदा, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटेरियट प्रेस, गुलजारबाग, पटना।